Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 18-08-2005
Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar,Bhargav Shri Girdhari Lal

>

Title : Regarding non-implementation of Eight Bilateral wage Agreement for the employees and officers of Regional Rural Banks.

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : माननीय सभापति जी, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याओं को पूर्व में कई बार उठाया गया है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में ये लोग काम करते हैं, लेकिन उनके वेतनों में विसंगति हमेशा बनी रही। सरकार ने बैंक कर्मियों के वेतनों में ि वसंगतियों की ओर ध्यान दिया और बहुत सी समस्याओं को हल भी किया, किन्तु केन्द्र सरकार द्वारा बैंककर्मियों के साथ जो आठवां द्विपक्षीय वेतन समझौता हुआ, उसे देश के सभी बैंकों में लागू कर दिया गया है, केवल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में लागू नहीं किया गया है जिससे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अधिकारियों और कर्मचारियों में बहुत रोा है।

सभापति जी, देश में कुल 196 क्षेत्रीय बैंक हैं जो सारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सहायता प्रदान कर रहे है और ग्रामीणों की बहुत सहायता कर रहे हैं। जो बिल आज हम यहां विचार हेतु लाए थे, वह मसला भी इससे सीधा जुड़ा है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से नि वेदन करना चाहता हूं कि उनकी और अन्य बैंककर्मियों के वेतनों में जो विसंगति है, उसे तत्काल दूर किया जाए क्योंकि जो वेतन संबंधी सुविधाएं समझौते के अनुसार देश के अन्य सारे बैंककर्मियों को मिल रही हैं, वे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंककर्मियों को नहीं मिल रही हैं। इसलिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंककर्मियों को भी अन्य बैंककर्मियों के समान वेतन दिया जाए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : माननीय मंत्री जी, कृपया माननीय सदस्य की प्रार्थना पर ध्यान दें।

श्री संतोा गंगवार : सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन में ि वसंगति की ओर दिलाते हुए निवेदन करना चाहता हूं कि अन्य बैंकों के कर्मचारियों के समान ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कर्मियों को वेतन दिया जाए। मेरी इस प्रार्थना को वे माननीय वित्त मंत्री जी के संज्ञान में ला दें।

श्री गिरधारी लाल भार्गव : माननीय सभापति जी, माननीय संतोा गंगवार जी द्वारा उठाए गए विाय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं और माननीय मंत्री जी से मांग करता हूं कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंककर्मियों के वेतन में विसंगति को तत्काल दूर किया जाए और उन्हें भी देश के अन्य बैंककर्मियों के समान वेतन दिया जाए। मेरा उनसे निवेदन है कि वे इस बारे में सदन में खड़े होकर कुछ बोलें।

सभापति महोदय : मंत्री जी को इस हेतु बाध्य नहीं किया जा सकता है। भार्गव जी आप अपना स्थान ग्रहण करें।